ई–संस्करण, अंक 29

Room to Read®
World Change Starts with Educated Children.®

गपशप

प्यारे साथियों,
आशा है कि आप और आपका परिवार अच्छे से होंगे। जैसा कि आप जानते हैं कि सभी बच्चों के स्कूल अभी भी बंद हैं और सब अपने–अपने घर पर ही हैं। हमने सोचा कि हमारे साथियों को अपने गपशप का इन्तज़ार होगा, तो हम आपके लिए लेकर आए हैं गपशप का नया अंक। जिसमें हम सब जानेंगे कोरोना के समय में अपने समय का सदुपयोग कैसे करें और इंटरनेट पर ऑनलाइन पढ़ाई करते वक्त किन बातों का ध्यान रखें। आशा है कि आपको इसे पढ़कर अच्छा लगेगा। घर पर रहें, सुरक्षित रहें।

छोटी राखी का विराट साहस

तेंदुए का नाम सुनते ही लोगों को डर से पसीना आने लगता है। मात्र 11 वर्षीय बच्ची का हिंसक जानवर से भिड़ जाना और छोटे भाई की जान बचा लेना अविश्वसीय है। यह सचमुच तारीफ के क़ाबिल है। मौत को सामने देखकर उसके भीतर अद्भुत साहस जाग उठा। तो आइये पढ़ते हैं राखी नाम की बालिका की वह शौर्य गाथा जिसे जानकर आपके रोंगटे खड़े हो जाएंगे और आप भी इस छोटी बालिका के विराट साहस से प्रेरित हो पाएंगे।

राखी रावत – राष्ट्रीय बहादुरी पुरस्कार विजेता

राखी रावत उत्तराखंड राज्य के गढ़वाल ज़िले के बीरोखाल ब्लॉक में रहती है। वह यहाँ के प्राइमरी स्कूल देवकुंडाई में 5वीं क्लास में पढ़ती है। उसके पिता एक किसान हैं जो खेती–बाड़ी करते हैं। वह अपने पिता की मदद करने कभी–कभी खेत भी जाती है।

एक दिन वह अपनी माँ और 4 साल के भाई के साथ खेत से वापस लौट रही थी। शाम होने वाली थी। उसने अपने छोटे भाई को कंधे पर बैठा रखा था। तभी वहाँ घात लगाकर बैठे तेंदुए (गुलदार) ने अचानक हमला कर दिया। यह सब इतनी जल्दी हुआ कि किसी को संभलने का मौका ही नहीं मिला। तेंदुए के हमले से राखी और उसका छोटा भाई दोनों वहीं नीचे गिर गए। तेंदुआ दोनों पर कूद गया और हमला करने लगा। राखी ने जैसे–तैसे भाई को बचाते हुए अपने नीचे रख लिया और खुद तेंदुए के प्रहार सहती रही। वह खुद लहूलुहान हो गई लेकिन भाई को इस हमले से बचाती रही।

> **"ग्यारह साल की राखी की बहादुरी का काम उनकी हिम्मत और साहस को दिखाता है। वह हमारे समाज के लिए विशेष रूप से लड़कियों के लिए प्रेरणा हैं।"**
>
> **बेबी रानी मौर्य**
> **राज्यपाल, उत्तराखंड**

माँ ने भागकर चीख–पुकार मचाई। पास में काम करने वालें लोग डंडे और पत्थर लेकर आ गए। लोगों के आने पर तेंदुआ वहाँ से भाग गया। इसके तुरंत बाद राखी ने भाई को देखा। उसे सही सलामत पाकर उसने राहत की साँस ली। शरीर पर कई जगह तेंदुए के दांतों व पंजों के हमले के निशान थे। फिर वह बेहोश हो गई क्योंकि तेंदुए ने उस पर काफी ज़ोरदार हमला किया था। माँ ने लोगों की मदद से उसे अस्पताल पहुँचाया। उसके सिर की हड्डी में फ्रैक्चर हो गया था।

बाद में यह ख़बर पूरे इलाके में तेज़ी से फैल गई। वन विभाग के अधिकारी उससे मिलने आए। पूरी घटना जानने के बाद उन्होंने राखी के अदम्य साहस की तारीफ की। पूरे इलाके में राखी की बहादुरी का किस्सा हर एक की जुबान पर था। जगह–जगह उसके चर्चे हुए। जगह–जगह उसका सम्मान किया गया। भारत के राष्ट्रपति ने उसे राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार 2019 से सम्मानित किया।